Date ....../....../......

Page......

पाठ - 3

दिन: वीरवार

शब्द विचार

दिनांक: 25 जून, 2020

रचना या बनावट की दृष्टि से हिंदी भाषा में निम्नलिखित तीन प्रकार के शब्द पाए जाते हैं :-

(क) रूढ़ शब्द : वे शब्द, जिनके सार्थक खंड नहीं किए जा सकते, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं, जैसे - बकरी, भेड़, तोता आदि।

(ख) यौगिक शब्द : वे शब्द, जो दूसरे शब्दों के योग से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं; जैसे -

विद्या + आलय = विद्यालय
सेना + पति = सेनापति
लख + पति = लखपति

(ग) योगरूढ़ शब्द : जिन शब्दों की रचना यौगिक शब्दों की तरह होती है, परंतु वे विशेष या रूढ़ अर्थ में प्रयुक्त किए जाते हैं, वे योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे - चारपाई, पंकज, चतुर्भुज आदि।

Date / /
Page

* नीचे दिए गए शब्द कैसे शब्द हैं - रूढ़, यौगिक या योगरूढ़ ?

१. तोता – रूढ़
२. रूपवती – यौगिक
३. पंकज – योगरूढ़
४. चौपाई – योगरूढ़
५. मैना – रूढ़

हिंदी भाषा में यौगिक शब्दों की रचना निम्नलिखित चार प्रकार से होती है :-

१. संधि द्वारा = संधि के द्वारा दो या दो से अधिक सार्थक शब्दों को जोड़कर यौगिक शब्द बनाया जाता है ; जैसे -

पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
सुर + इंद्र = सुरेंद्र
सदा + एव = सदैव

२. समास द्वारा = समास में शब्दों को पास-पास लाकर शब्द - समूह को संक्षिप्त किया जाता है ; जैसे -

Date ....../....../......
Page ....

गौ की शाला = गौशाला
सेना का पति = सेनापति
घोड़ों की शाला = घुड़शाला

3. रूढ़ शब्दों में उपसर्ग लगाकर = रूढ़ शब्दों में उपसर्ग लगाकर भी यौगिक शब्दों की रचना की जाती है; जैसे –

अन = अनपढ़, अनावश्यक
अप = अपमान, अपयश
दुर = दुराचार, दुर्बल

4. रूढ़ शब्दों में प्रत्यय जोड़कर = रूढ़ शब्दों में प्रत्यय लगाकर भी यौगिक शब्दों की रचना की जाती है; जैसे –

आ = ठंडा, प्यासा, भूखा
ई = बुराई, भलाई, कलाई
ता = कायरता, कर्मठता, निर्भीकता

* चार – चार यौगिक शब्दों की रचना कीजिए :-

1. संधि द्वारा – पुस्तकालय, सदैव, परोपकार, सुरेंद्र
2. समास द्वारा – गौशाला, कठपुतली, घुड़शाला, सेनापति

3. उपसर्ग लगाकर – अनपढ़, अपमान, [illegible],
[illegible] अधखिला, अधपका

4. प्रत्यय लगाकर – ठंडा, लंबाई,
धनवान, रूपवान